खतरनाक साँप

लेखन - डॉ. मोहम्मद साजिद खान

चित्रांकन - मेघा अरुण

आभार

कार्यक्रम समन्वयक

प्रो. उषा शर्मा, *प्रोफ़ेसर एवं प्रभारी,*
राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

लेखन

डॉ. मोहम्मद साजिद खान

चित्रांकन

मेघा अरुण

मार्गदर्शन

प्रो. नीना सबनानी, *एनिमेटर एवं सहायक संकाय,*
डिज़ाइन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद

आभार ज्ञापन

श्री श्याम सिंह सुशील, *लेखक*
श्री अक्षय कुमार दीक्षित, *मेंटर,* शिक्षा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली
डॉ. प्रसाद एस ओंकार, *प्रमुख (डिज़ाइन) एवं एसोसिएट प्रोफ़ेसर*, आई.आई.टी., हैदराबाद
प्रो. दीपक जॉन मैथ्यू , *प्रोफ़ेसर* , डिज़ाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद
श्री डेल्विन जूड रेमेडियोज, *सहायक प्रोफ़ेसर*, डिज़ाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद
श्रीमती अंकिता रॉय, *सहायक प्रोफ़ेसर*, डिज़ाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद
डॉ. मोहम्मद शाहिद, *सहायक प्रोफ़ेसर*, डिज़ाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद
डॉ. सौरव देवरी, *सहायक प्रोफ़ेसर*, डिज़ाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद
डॉ. शुहिता भट्टाचार्जी, *सहायक प्रोफ़ेसर*, उदार कला विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद
श्री गौतम गोस्वामी, *सहायक प्रोफ़ेसर*, एनीमेशन एवं मल्टीमीडिया विभाग,
बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर
श्री मोहम्मद शाह आलम, *वरिष्ठ परामर्शदाता (आई.सी. टी.),*
राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ , एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
सुश्री भावना खेड़ा, *कनिष्ठ परियोजना अध्येता,*
राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

उल्लास
ULLAS
नव भारत साक्षरता कार्यक्रम

खतरनाक सप्प

लेखन

डॉ. मोहम्मद साजदि खान

चित्रांकन

मेधा अरुण

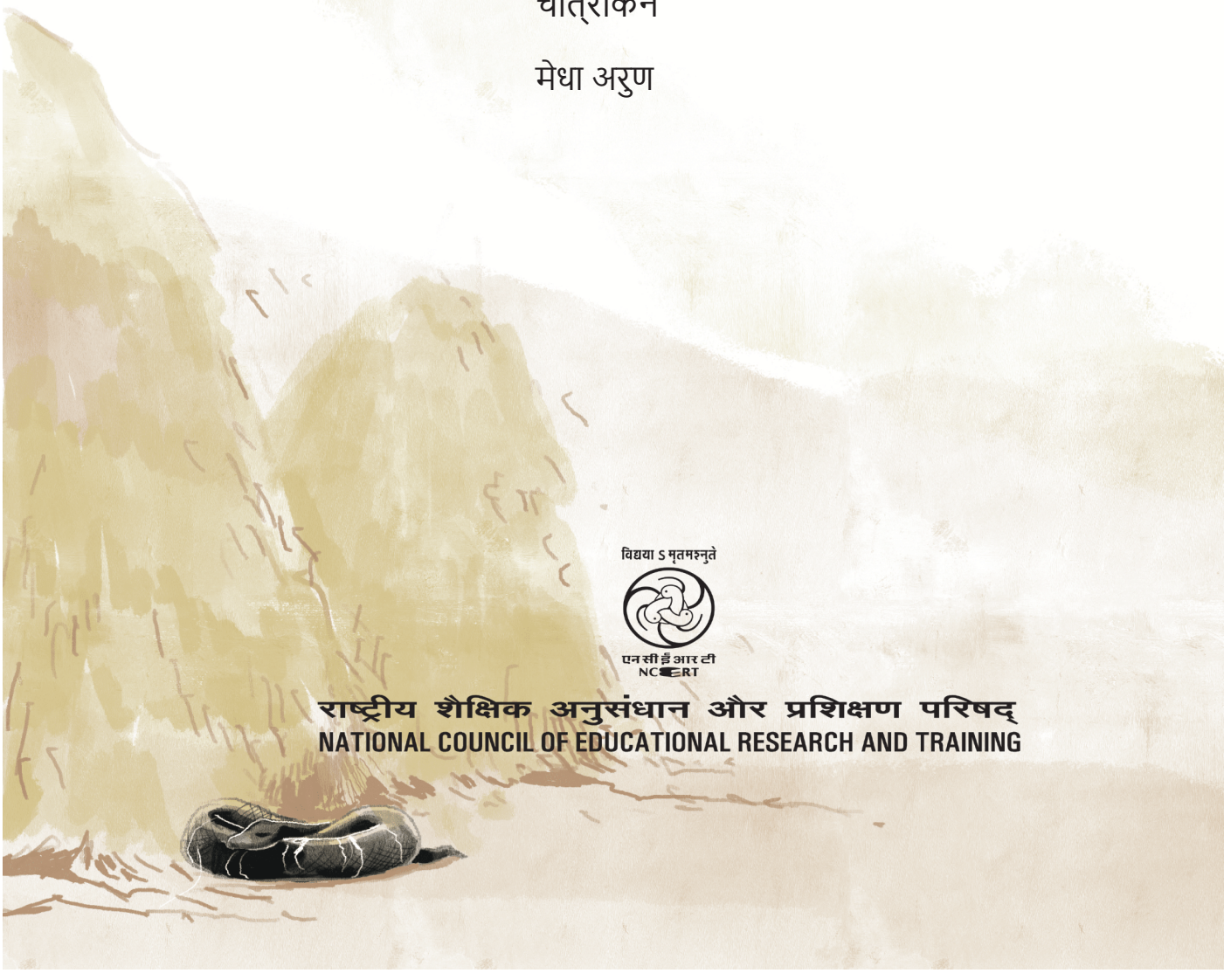

विद्यया S मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

रोज शाम आला लेखा अज बी फूल मती रूट्टी बनाने ताई कंडे लेन गई दी ही।

ता जे उदा पैर इक सप्प दी पूंछ पर आई गया।

अपने बचा आस्ते सप्प ने उसी डसी लयिा।

के आख्या फूलमती गी साप ने डसी लया।

हां भैया जल्दी चलो।

हे भगवान उदी रक्षा करयो।
ए आखदा होया जागेसर घर पासे नसया।

जगेसर घर दे दरवाजे पर खड़ी भीड़ गी चरिदा होया अंदर पूज्जा।

मट्ठि ू चाचे ने डसने दे नशाना पर कसी ए परणा बने दाहा।
फूलमती बेहोश होई जादी ही

जगेसर गी समझ नही आदा हा के ओ के करे।

इसे आनन फानन च सब उसी ग्रा दे गनेसी ओझा दे कोल लई ए चली पये।

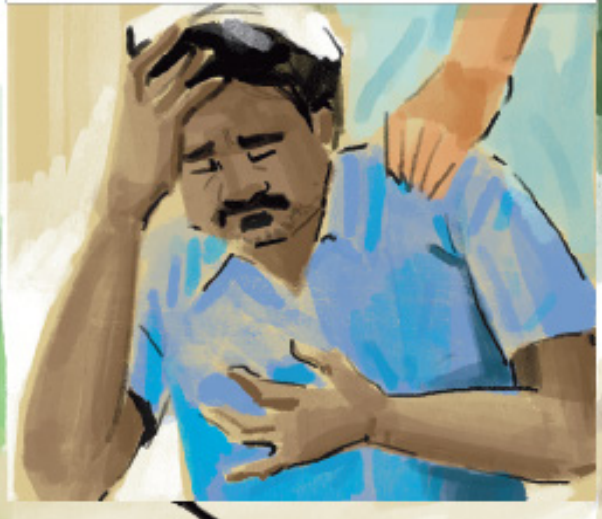

ओझा ने मंत्र पढ़ना शुरू पर फूलमती दे शरीर च कोई हलि डुल नई होई। फी ओझा ने उदे मुंह च काढ़ा पाने दी कोशशि कती पर दंद कसे होने करएि सारा काढ़ा बाहर नकिल गया।

हून ओझा ने अपने झोले च इक काले रंग दी दवाई आली शीशी कड़ी। ओ जयिां गे दवाई फूलमती दे नाक च पान लगा अग्गे बदया ते इक आवाज़ गूंज उठी।

ओझा ठठिक गया।सारे रहान होइए पीछे दखिया उथे रेखा खड़ोती दी ही। रेखा ग्रां दे सरपंच दी कुड़ी ही जे जेडी शहर च पढ़ती ही।उसी सांप ते होर जीव जंतुए दे वषिय दा सही जानकारी ही।

मट्ठि चाचा दी गल पर ओझा ने भाई जल्दी नजरे कन्ने रेखा पासे दख्यिा । पर रेखा जदि पर अड़ी दी ही।

सामुदायकि केंद्र पूजदे ई रेखा ने इमरजेंसी वार्ड च सूचना दीती। ते फूलमती जी दाखलि कराई दत्ति।

डॉक्टर साहब ने इलाज शुरू कत्ति‍ा ते फूलमती गी एंटी वेनम दा इंजेक्शन दीत्ता ।

हुन तक शाम रात च बदली गई दी ही पर सारे गे डटे दे हे । आखर ग्रां दी गल्ल ही।

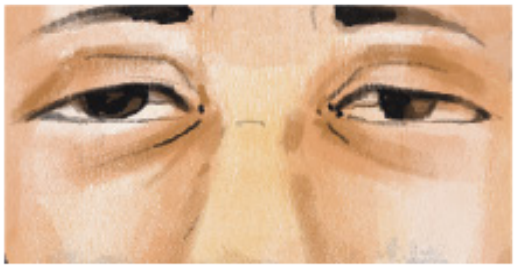

जे तूस सही समय पर इत्थे नई लायन्दे ते मरीज़ दी जान जाइ सकती ही।
दरअसल तुम लोग ऐसी जगह पर रोहन्दे हो जत्थे सांप होने दी संभावना जायदा होंदिए।
साप अक्सर बड्डी बड्डी धा खलिरी दिया खाद दिया बोरियां सुके पत्ते लकड़ियां ते गोटे दे ढेर च रोहंदे ना इसे करिए अपनी सुरक्षा आसते अपने अगे पीछे साफ सफाई रखो तुस ए जानकारी अपने मोबाइल फोन पर भी दखी सकदे ओ।

ते हां कदी इस तरह दी मुश्कलि होवे तां कूझे ओझा दे कोल जाने दी बजाए स्वास्थ केंद्र च आओ।

मठ्ठिू चाचा ने अपना मोबाइल फोन कड्डया ते सपे कन्ने जुड़ी दी जानकारी लबबन लगी पे।

फूलमती हुन पहले कोला ठीक मसूस करा दी ही ओ डाक्टर साहब गी धन्यवाद दई के जगेसर रेखा ते बांकि ग्रां आले लोके कन्ने घर जाने लई नकिली पई।

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING